विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय (विदृप्रनि) की स्थापना वर्ष 1955 में हुई थी। यह केंद्र सरकार की नोडल बहुमाध्यम विज्ञापन एजेंसी है। पिछले 55 वर्षों से यह निदेशालय लगभग सभी केन्द्रीय मंत्रालयों/विभागों तथा स्वायत्त निकायों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की संचार संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति कर रहा है और उन्हें एक ही स्थान से किफायती दामों पर सभी सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। यह शहरी तथा ग्रामीण, दोनों ही क्षेत्रों की जनता को संचार के विभिन्न माध्यमों अर्थात् प्रिंट मीडिया विज्ञापन, श्रव्य–दृश्य विज्ञापन, मुद्रण प्रचार, प्रदर्शनियों और बाह्य प्रचार उपकरणों और मास मेलिंग के माध्यम से सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी और शिक्षा देता है तथा उन्हें विकास संबंधी गतिविधियों में भागीदारी निभाने को प्रेरित करता है।

विदृप्रनि–
भारत सरकार की नोडल विज्ञापन एजेंसी

राष्ट्रीय एकता और साम्प्रदयिक सद्भाव, ग्रामीण विकास कार्यक्रम, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, एड्स जागरूकता, महिला सशक्तीकरण, बालिका उत्थान, उपभोक्ता जागरूकता, साक्षरता, रोजगार सृजन, आयकर, रक्षा, पर्यावरण संरक्षण, सड़क सुरक्षा, ऊर्जा संरक्षण और हस्तशिल्प प्रोत्साहन एवं प्राकृतिक आपदा के लिए तैयारी आदि कुछ प्रमुख विषय हैं, जिनके विज्ञापन और प्रचार पर विदृप्रनि विशेष ध्यान देता है।

विदृप्रनि, भारत सरकार की एक नोडल विज्ञापन एजेंसी के रूप में पिछले 55 वर्षों से लगभग सभी केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों तथा स्वायत्त निकायों को एक ही स्थान से किफायती दामों पर बहु माध्यम प्रचार सेवाएं उपलब्ध करा रहा है।

विदृप्रनि– समग्र ढांचा

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय के मुख्यालय के विभिन्न स्कंध इस प्रकार हैः– अभियान, विज्ञापन, बाह्य प्रचार, मुद्रण प्रचार, प्रदर्शनी, इलेक्ट्रानिक डॉटा प्रोसेसिंग सेंटर, मास मेलिंग, श्रव्य–दृश्य सेल, डिजाइन स्टूडियो तथा प्रशासन और लेखा स्कंध।

निदेशालय के नई दिल्ली, बेंगलुरू और गुवाहाटी में तीन क्षेत्रीय कार्यालय हैं, जो इन क्षेत्रों में निदेशालय की गतिविधियों में समन्वय करते हैं। इसके अलावा कोलकाता और चेन्नई में इसके दो क्षेत्रीय वितरण केन्द्र हैं जो क्रमशः पूर्वी और दक्षिणी क्षेत्रों में प्रचार सामग्री के वितरण की देखरेख करते हैं।

विदृप्रनि का देश भर में फैले 32 क्षेत्रीय प्रदर्शनी इकाइयों का नेटवर्क है। विदृप्रनि की क्षेत्रीय प्रदर्शनी इकाइयां सरकार और जनता के बीच महत्वपूर्ण कड़ी का काम करती हैं। क्षेत्रीय कर्मचारी देश के दूर–दराज के इलाकों में सामाजिक और विकास संबंधी विषयों पर बहु–माध्यम प्रदर्शनियों का आयोजन कर महत्वपूर्ण राष्ट्रीय विषयों पर प्रेस, केन्द्र सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी का प्रचार–प्रसार करते हैं।

विदृप्रनि का समग्र ढांचा

तीन क्षेत्रीय कार्यालय नई दिल्ली, बेंगलुरू और गुवाहाटी

दो क्षेत्रीय वितरण केंद्र कोलकाता और चेन्नई

32 क्षेत्रीय प्रदर्शनी इकाइयां

वर्ष 2010 के दौरान महत्वपूर्ण गतिविधियां

- विदृप्रनि अपने प्रचालनों में आधुनिकीकरण डिजिटलाइजेशन और प्रौद्योगिकीय उन्नयन की अपनी गतिविधियों को जारी रखा। विदृप्रनि प्रक्रिया को सक्षम पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए इलैक्ट्रानिक क्लीअरेंस योजना (इ सी एस) के माध्यम से समाचार पत्रों और ए वी चैनलों को अपने भुगतान करने के यथा संभव प्रयास कर रहा है। विदृप्रनि जहां इस समय अपने रिलीज आर्डर और प्रिंट मीडिया संबंधी विज्ञापन डिजाइन आन लाइन जारी कर रहा है वहीं दूसरी ओर यह प्रिंट मीडिया तथा श्रव्य–दृश्य मीडिया और प्रिंट मीडिया की दर के नवीकरण के लिए आवेदनों को ऑन लाइन प्राप्त कर रहा है। विदृप्रनि ऑडियो स्पॉटों को जारी करने की प्रक्रिया में भी है और ऑन लाइन बिल प्राप्त कर रहा है। श्रव्य दृश्य सामग्री के पुरालेखन के अलावा श्रव्य दृश्य चैनलों को ऑनलाइन भुगतान करने के साथ–साथ वीडियो स्पॉटों को इलैक्ट्रानिक रूप से अपलोड करने की शुरुआत की जा रही है।

- विदृप्रनि ने किसी भी विज्ञापन के लिए कोई भी रिलीज आदेश अपलोड करने के कुछ ही सेंकडों के भीतर संबंधित प्रकाशनों को एस.एम.एस. अलर्ट भेजने की एक नई सुविधा आरंभ की है। इससे प्रकाशकों को उन्हें जारी किए गए विज्ञापनों की जानकारी उस परिस्थिति में भी होगी जब वे विदृप्रनि की वेबसाइट की ब्राउजिंग नहीं कर पा रहे होंगे।

- विदृप्रनि अपनी वेबसाइट www.davp.nic.in को विक्लांगों के अनुरूप बना रहा है। यह कार्य पूरा होने के बाद शारीरिक रूप से विक्लांग व्यक्ति बिना किसी कठिनाई के वेबसाइट तक अपनी पहुंच बना सकेंगे।

- विदृप्रनि सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करके प्रक्रियाओं के आटोमेशन और डिजिटलाइजेशन तथा बहुआयामी मानीटरिंग पर विचार कर रहा है। इससे सभी स्तरों पर स्वतः रिपोर्ट की सुविधा प्राप्त होगी।
- डिजिटल सिनेमा नामक एक मीडिया को विदृप्रनि ने अपने पैनल में शामिल किया है। इससे एस.एम.एस. मोबाइल, वेबसाइट, सामुदायिक रेडियो सेवाओं आदि के माध्यम से विज्ञापनों के नए तरीकों का पता लगाया जा रहा है।
- भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला–2010 के दौरान प्रगति मैदान में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तत्वाधान में ''जनसंख्या स्थायीकरण'' नामक एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

- विदृप्रनि ने देशभर में विलुप्तप्राय प्रजातियों पर पर्यावरण परिवर्तन के प्रभाव के बारे में लोगों को जागरूक करने संबंधी एक विशेष विषय पर कैलेंडर 2011 जारी किया।

- विदृप्रनि एकमात्र ऐसी विज्ञापन एजेंसी है जो देश के सभी समाचार पत्रों, रेडियो और सी एण्ड एस चैनलों को अपना निर्गम आदेश (रिलिज आर्डर) आनलाइन जारी करता है।

- लगभग 4500 समाचार पत्र इसके पैनल में हैं।

- डीडी बुकेट के अलावा लगभग 205 सी एण्ड एस चैनल और आकाशवाणी के अतिरिक्त लगभग 214 एफ एम रेडियो चैनल इसके पैनल में हैं।

- विदृप्रनि के पैनल में लगभग 2700 डिजिटल थियेटर सिनेमा हैं।

- नवंबर 2010 के दौरान एक विशेष अभियान चलाया गया ताकि वर्ष 2005 से पूर्व के सभी लेखों का मिलान किया जा सके।

- भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में लगाई गई प्रदर्शनी को सरकारी मंत्रालय और विभागों की श्रेणी में स्वर्ण पदक मिला।

2 अक्तूबर को विशेष अभियान

अहिंसा की शक्ति के संदेश का प्रसार करने के लिए प्रसारण और प्रसार अभियान चलाए गए।

महात्मा गांधी, उनका जीवन और दर्शन पर एक प्रदर्शनी चेन्नई में आयोजित की गई।

पैनल में शामिल सभी प्रकाशकों को मुद्रण विज्ञापन जारी किए गए।

- प्रधानमंत्री के भाषणों की रिकार्ड संख्या, अब तक 29 भाषणों का मुद्रण और वितरण किया गया। इनके भाषणों के कवर की बनावट और शैली में भी सुधार किया गया है ताकि उन्हें रंगीन पट्टियों के साथ चमकीला और आकर्षित बनाया जा सके।
- मुद्रण और बहुमीडिया वर्गों के तहत विदृप्रनि के पैनल में क्रमशः 62 और 30 रचनात्मक एजेंसियां हैं, जो ग्राहकों की आवश्यकता को निपुणता और प्रभावशाली तरीके से पूरा करती हैं।
- दिल्ली में बैनर लगाकर हिंदी पखवाड़ा और सतर्कता जागरूकता सप्ताह जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को आयोजन किया गया ताकि लोगों को इन कार्यक्रमों के महत्व के बारे में पता चल सके।
- विदृप्रनि के पैनल में शामिल उर्दू समाचार–पत्रों की संख्या में पिछले कुछ वर्षों में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। वर्ष 2003–04 में ऐसे पत्रों की संख्या 181 थी, जबकि इस वर्ष विदृप्रनि के पैनल में 378 समाचार–पत्र हैं। उर्दू समाचार–पत्रों को मिलने वाली विज्ञापन राशि वर्ष 2003–04 में 4.82 करोड़ रू. से बढ़कर वर्ष 2009–10 में 11.30 करोड़ रू. हो गई।
- परामर्शी विकास केंद्र (सीडीसी) को विदृप्रनि के आधुनिकीकरण पर एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने का कार्य सौंपा गया है। आशा है कि सीडीसी जनवरी, 2011 तक अपनी अंतिम विस्तृत परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत कर देगी।

अभियान

वर्ष 2010–11 के दौरान विदृप्रनि ने अपने ग्राहक मंत्रालयों/विभागों की ओर से अभियान आरंभ किए। बड़े अभियानों के कुछ प्रमुख विषयों में निम्नलिखित शामिल हैं।

सरकार की पहल पर वर्ष के दौरान भारत निर्माण पर अनेक मीडिया विज्ञापन जारी किए गए जिससे एक मजबूत, समृद्ध ग्रामीण भारत के निर्माण के लिए समर्पित सभी फ्लैगशिप योजनाओं को मजबूती प्रदान की गई।

- **भारत निर्माण पर संवाद अभियान:** विदृप्रनि ने पहली बार भारत निर्माण पर भारत सरकार के 8 मंत्रालयों के सहयोग से एक संवाद अभियान आरंभ किया। अभियान का पहला चरण अगस्त–सितंबर में किया गया, जिसमें स्वास्थ्य, पैरोलिनम, मिड–डे मील स्की जैसे विषयों के साथ–साथ विद्युत क्षेत्र को भी शामिल किया गया। अभियान द्वारा कल्याणकारी योजनाओं के संदेश को देश के कोने–कोने में पहुंचाया गया।
- **जनता के लिए कार्यक्रमों पर राज्य विशिष्ट बुकलैट:** विदृप्रनि राज्य विशिष्ट बुकलैटों को डिजाइन और प्रिंट करता है, जिनमें जनता के लिए कार्यक्रमों पर सूचना दी जाती है। अभी तक इनमें कवर किए गए राज्यों में असम, उत्तर–प्रदेश, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु तथा जम्मू और कश्मीर शामिल हैं। इन बुकलैटों में सूचना कार्यालय के सहयोग से प्रकाशित की जाती है जिनमें भारत सरकार की विभिन्न विकासात्मक योजनाओं के अंतर्गत लोगों के लिए कल्याणकारी उपायों पर सूचना प्रदान की जाती है।
- **जनता के लिए रिपोर्ट:** विदृप्रनि ने विभिन्न क्षेत्रों में केंद्र सरकार की उपलब्धियों पर एक बुकलेट डिजाइन की और उसका मुद्रण किया। 'रिपोर्ट टू द पीपुल' नामक बुकलेट में आम आदमी के लाभ के लिए केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों/विभागों द्वारा उठाए गए विकासात्मक उपायों पर आंकड़ा आधारित महत्वपूर्ण सूचना दी गई।
- **फ्लैगशिप योजनाओं पर सूचना बुकलेट:** विदृप्रनि ने अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री के 15 सूत्री कार्यक्रम, महिलाओं का सशक्तिकरण और महात्मा गंधी ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना आदि जैसे विभिन्न विषयों पर छह सूचना बुकलेट डिजाइन किए और उनका मुद्रण किया। इनका वितरण ग्रामीण लोगों में किया गया ताकि उनमें सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए कल्याण उपायों पर

जागरुकता उत्पन्न की जा सके।

- **<u>सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय का नियमित मुद्रण मीडिया अभियानः</u>** विदृप्रनि अंबेडकर जयंती, स्वतंत्रता दिवस, गांधी जयंती, शास्त्री जयंती, बाल–दिवस, आतंकवाद विरोध दिवस, राष्ट्रीय एकता दिवस आदि जैसे अवसरों पर नियमित रूप से मुद्रण मीडिया अभियान चला रहा है।

<u>श्रव्य–दृश्य अभियानः–</u>

- भारत निर्माण जिसमें सरकार के फ्लैगशिप कार्यक्रमों को शामिल किया गया है
- गो ग्रीन–इसका प्रभाव होता है–कम कार्बन उत्सर्जन पर बल देने के लिए पर्यावरण और वन मंत्रालय तथा विद्युत और नई एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय का संयुक्त अभियान
- उपभोक्ता जागरूकता में नकली नोट, इंटरनेट बैंकिंग, पीली मटर दाल, उपभोक्ता उत्तरदायित्व भ्रामक विज्ञापन, मध्यस्थता
- अतुल्य भारत– विशेष रूप से पूर्वोत्तर क्षेत्र और जम्मू और कश्मीर में पर्यटन को बढ़ावा, सामाजिक विषयों पर जागरूकता, विदेशी पर्यटकों के संबंध में अतिसंवेदनशीलता
- आयकर संबंधी मामलों पर जागरूकता
- अन्य महत्वपूर्ण श्रव्य–दृश्य अभियान में शामिल हैं– (1) स्वास्थ्य शिक्षा–स्वाइन फ्लू(एच1एन1), एड्स नियंत्रण, डेंगू और चिकनगुनिया, कुष्ठ और जनसंख्या स्थायीकरण(2) सर्वशिक्षा अभियान (3) एगमार्क को बढ़ावा (4) ऊर्जा सरंक्षण और बीईई स्टार लेबल को बढ़ावा (5) आपदा प्रबंधन (6) यातायात संबंधी सुरक्षा (7) सूचना का अधिकार अधिनियम (8) पूर्वोत्तर क्षेत्र को बढ़ावा।

नई विज्ञापन नीति
(02.10.2007 से प्रभावी)

मुख्य विशेषताएं :

- पात्रता मापदण्ड को 36 माह से घटाकर 18 माह कर दिया गया है।
- बोडो, गढ़वाली, डोगरी, कश्मीरी, खासी, कोंकणी, मैथिली, मणिपुरी, मिजो, नेपाली, राजस्थानी, संस्कृत, संथाली, सिन्धी, उर्दू जैसी भाषाओं के समाचारपत्रों और जनजातीय भाषाओं/बोलियों तथा जम्मू एवं कश्मीर, अण्डमान एवं निकोबार द्वीपसमूह तथा पूर्वोत्तर राज्यों में प्रकाशित समाचारपत्रों को विशेष प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए पात्रता घटाकर 6 माह कर दी गई है।
- विदृप्रनि द्वारा वर्ष में जारी किए गए विज्ञापनों की कुल राशि में से 15%राशि छोटे समाचारपत्रों को, 35% राशि मझौले समाचारपत्रों को तथा 50% बड़ी श्रेणी के समाचार–पत्रों को दी जाएगी।

- बाह्य प्रचार : वि.दृ.प्र.नि. ने राष्ट्रमण्डल खेल–2010 के दौरान पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 'अतुल्य भारत' नामक स्लोगन द्वारा बाह्य प्रचार अभियान आरम्भ किया।

विज्ञापन

वित्तीय वर्ष 2010–11 के दौरान, पूरे देश में विभिन्न समाचारपत्रों को कुल 12522 विज्ञापन जारी किए गए थे (12.01.2011 तक की स्थिति के अनुसार)। इनमें से 790 डिस्प्ले विज्ञापन थे तथा शेष वर्गीकृत विज्ञापन थे। इनमें से कुछ विज्ञापन स्वाइनफ्लू (एच1 एन1),उपभोगता शिक्षा, रैगिंग का विरोध, विश्व जनसंख्या दिवस, विश्व एड्स दिवस, विश्व स्वास्थ्य दिवस, मलेरिया दिवस, आयोडीन अल्पता दिवस, पर्यावरण दिवस, विश्व दृष्टि दिवस, राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी स्कीम (NREG), बाबू जगजीवन राम स्मृति, अंतरराष्ट्रीय विकलांग दिवस, सद्भावना दिवस, स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस से संबंधित रहे।

प्रदर्शनियां :

वि.दृ.प्र.नि. के प्रदर्शनी स्कंध में अप्रैल से 15 दिसम्बर 2010 की अवधि के दौरान 1315 प्रदर्शनी दिवसों में 324 प्रदर्शनियों का आयोजन किया। इस अवधि के दौरान वि.दृ.प्र.नि. ने देशभर में आयोजित अनेक प्रमुख प्रदर्शनियों में भाग लिया। वि.दृ.प्र.नि. ने भारत के चुनाव आयोग की हीरक जयंती समारोह के आयोजन के एक भाग के रूप में अनेक प्रदर्शनियां भी आयोजित की।

विभिन्न क्षेत्रीय एककों द्वारा अप्रैल से 15 दिसम्बर 2010 तक जिन प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया तथा जिनमें उन्होंने भाग लिया उनकी विशेषताएं निम्न प्रकार हैं :

प्रगति मैदान भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला (आई आई टी एफ, 2010)

- विदृप्रनि ने प्रगति मैदान में भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 2010 में ''जनसंख्या स्थिरीकरण'' पर प्रदर्शनी प्रस्तुत करके स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की तरफ से प्रदर्शनी आयोजित की। इमारत के तीन तलों पर प्रदर्शनी सेट को प्रस्तुत करते हुए एक भव्य प्रदर्शनी की व्यवस्था की गई। 80'x 40' के आकार का एक बड़ा फलक फ्लैक्स के साथ सीधा खड़ा किया गया। साइड की दीवारों को भी फ्लैस से ढका गया। प्रदर्शनी को आकर्षक बनाने के उद्देश्य से डायोरमा, मूरल्स, ट्रांसलाइट्स का प्रयोग किया गया। लोगों को विषय के प्रति जागरूक करने के लिए श्रव्य–दृश्य साधनों का भी प्रयोग किया गया।

प्रदर्शनी को सरकारी वर्ग के मंत्रालयों तथा विभागों में स्वर्ण पदक मिला जो कि विदृप्रनि के लिए गर्व की बात है।

- मुख्यालय इकाई ने सरोजनी नगर, नई दिल्ली में 23 से 31 अक्तूबर 2010 तक लगे म.टे.नि.लि. के सम्पूर्ण स्वास्थ्य मेले में भी भाग लिया जिसका विषय था **'स्वस्थ जननी, स्वस्थ शिशु, स्वस्थ भारत'**। मेले का उद्घाटन मुख्य चुनाव आयुक्त, श्री एस. वाई कुरैशी द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह में दिल्ली के ले.गवर्नर श्री तेजिंदर खन्ना व मुख्य मंत्री श्रीमती शीला दीक्षित मुख्य अतिथि के रूप में थे। विदृप्रनि के पैविलियन (खेमा) का उद्घाटन माननीय किरण वालिया, स्वास्थ्य मंत्री रा.रा.क्षेत्र, दिल्ली द्वारा किया गया।

- 14 से 27 नवम्बर 2010 तक प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आई आई टी एफ–2009 के दौरान हैल्थ पैविलियन में ''जनसंख्या स्थिरिकरण'' शीर्षक के अन्तर्गत एक विशाल प्रदर्शनी आयोजित की गई।
- **प्रदर्शनी को सरकारी वर्ग के मंत्रालयों तथा विभागों में स्वर्ण पदक मिला जो विदृप्रनि के लिए गर्व की बात है।**

विदृप्रनि ने राज्य चुनाव आयुक्तों के समन्वय से विभिन्न राज्यों में 'चुनावी जागरूकता अभियान' में भाग लिया।

- **विभिन्न राज्यों में राज्य चुनाव आयुक्तों के समन्वय से 'चुनावी जागरूकता अभियान' पर प्रदर्शनियां आयोजित की गई।**
- **दिसम्बर 2010 से मार्च 2011 की अवधि के दौरान लगभग 150 प्रदर्शनियों का आयोजन निर्धारित है।**

विभिन्न क्षेत्रीय प्रदर्शनी इकाईयों द्वारा जन सूचना अभियानों में भागीदारी

विदृप्रनि ने पीआईबी द्वारा विभिन्न स्थानों पर आयोजित कई जन सूचना अभियानों में भाग लिया तथा सरकार के फ्लैगशिप कार्यक्रमों को लोकप्रिय बनाने के लिए प्रदर्शनी लगाई।

अधिक शक्तिशाली लोकतंत्र के लिए और अधिक भागीदारी : भारत का चुनाव आयोग

- भारत के चुनाव आयुक्त की हीरक जयंती के उपलक्ष्य में विदृप्रनि ने 'अधिक शक्तिशाली लोकतंत्र के लिए और अधिक भागीदारी' के विषय पर पूरे भारत में प्रदर्शनियां आयोजित कीं।

राज्य चुनाव आयोग के लिए पटना इकाई ने मोबाईल वैन के माध्यम से 'मतदाता जागरूकता' प्रदर्शनी आयोजित की।

- राज्य चुनाव आयोग के अनुरोध पर लोगों में विधानसभा चुनावों के प्रति जागरूकता उजागर करने के उद्देश्य से पटना इकाई ने बिहार के विभिन्न भागों में प्रदर्शनी अभियान चलाया। प्रदर्शनी अभियान राज्य के विधानसभा चुनाव समाप्त होने तक ही रहा। अक्तूबर–नवम्बर के महीने में पटना इकाई ने राज्य चुनाव आयोग द्वारा दी गई सामग्री से विभिन्न स्थानों पर ''मतदाता जागरूकता'' विषय पर 50 प्रदर्शनी कार्यक्रमों का आयोजन किया। प्रदर्शनियां रांची इकाई की प्रदर्शनी वैन की सहायता से आयोजित की गईं।

जम्मू विधानसभा में पीठासीन अधिकारियों का सम्मेलन

जम्मू ईकाई ने विधानसभा में 20 से 22 जून, 2010 तक आयोजित पीठासीन अधिकारियों के 75वें सम्मेलन के परिप्रेक्ष्य में श्रीनगर में 'भारत की विधायिका: लोकतंत्र की स्तंभ' विषय पर एक विकासात्मक फोटों प्रदर्शनी का आयोजन किया। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन श्रीमती मीरा कुमार, लोकसभाध्यक्ष ने किया।

गुवाहाटी

सम्पादक सम्मेलन के साथ ही गुवाहाटी इकाई ने 12 से 16 जुलाई 2010 तक ललित कला भवन शंकरदेवा, कलाक्षेत्र, गुवाहाटी में फ्लैगशिप कार्यक्रम/भारत निर्माण पर एक चार दिवसीय प्रदर्शनी आयोजित की। प्रदर्शनी का उद्घाटन सूचना एवं प्रसारण मंत्री माननीय अंबिका सोनी द्वारा किया गया। प्रदर्शनी के उद्घाटन के दौरान माननीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने विदृप्रनि के प्रयासों की प्रशंसा की तथा प्रांत के लोगों को सरकार के कार्यक्रमों व नीतियों के बारे में जागरूक बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

पुरी में रथ यात्रा

भुवनेश्वर इकाई ने 12 से 21 जुलाई तक चले एक प्रसिद्ध ''कार उत्सव'' में फ्लैगशिप कार्यक्रमों/भारत निर्माण प्रदर्शनी का आयोजन करके भाग लिया। उड़ीसा के माननीय गवर्नर श्री एम.सी. भंद्रे ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

मुद्रित प्रचार

मुद्रित प्रचार में रंगीन पोस्टरों, फोल्डरों, ब्रोशरों, कैलेण्डरों, डायरियों, पुस्तिकाओं, स्टिकर, वॉल हैंगरों, टेबल कैलेण्डर तथा मुद्रित प्रचार की इसी तरह की विभिन्न प्रकार की मदों की योजना बनाने, निर्माण तथा मुद्रण संबंधी कार्यों की देखरेख शामिल है। आवश्यकता तथा बजट नियतन के अनुसार सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय सहित विभिन्न मंत्रालयों/विभागों के लिए प्राक्कलन/योजनाओं की तैयारी के कार्य भी किए जाते हैं।

विदृप्रनि सभी मुख्य भारतीय भाषाओं जैसे तमिल, तेलुगू, कन्नड़ मलयालम, मराठी, गुजराती, बंगाली, असमी, उड़िया, पंजाबी, उर्दू तथा हिंदी में मुद्रित प्रचार सामग्री को छापता है। लागत मूल्य वृद्धि पर अंकुश लगाते हुए कार्य को कम से कम समय में समाप्त करने के उद्देश्य से इस स्कंध के पास मुद्रको, टाइपसैटरों तथा डायरी मेकरों का एक पैनल है।

- विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय विभिन्न मंत्रालयों/विभागों के लिए अंग्रेजी हिंदी व अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में पोस्टर, बुकलेट, फोल्डर कैलेण्डर, डायरियां तथा वॉल हैंगिग मुद्रित करता है।
- भारत सरकार के कैलेण्डर तथा डायरी भी विदृप्रनि द्वारा डिजाइन व मुद्रित किए जाते हैं। इस वर्ष का कैलेण्डर वन्य जीवन संरक्षण के विषय पर है तथा पंचायतों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों तथा कुछ स्कूलों में बांटे गए।

विदृप्रनि प्रधानमंत्री के मुख्य भाषणों तथा अन्य रिपोर्टों का मुद्रण करता है।

कार्य	कार्यों की संख्या	प्रतियों की संख्या	प्रतिबद्ध राशि (रु. में)
पोस्टर	9	1,40,500	8,78,360/–
फोल्डर	17	19,93,010	34,77,169/–
बुकलेट	41	23,87,610	1,62,23,722/–
कैलेण्डर	27	18,94,980	5,73,20,620/–
डायरी	11	1,59,960	97,14,980/–
विविध	8	2,36,000	10,50,625/–
कुल	**113**	**68,11,560**	**8,86,65,476/–**

श्रव्य दृश्य स्कंध

वि.दृ.प्र.नि. का श्रव्य दृश्य स्कंध, भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों तथा विभागों को श्रव्य दृश्य स्पॉट्स, जिंगल्स, वृत्तचित्र तथा प्रायोजित कार्यक्रम, मीडिया योजना एवं आकाशवाणी और निजी एफ एम रेडियो चैनलों, दूरदर्शन तथा निजी केबल एवं उपग्रह चैनलों तथा डिजीटल सिनेमा के माध्यम से लोकार्पण जैसी व्यापक सेवाएं भी प्रदान करता है। भारत निर्माण, पर्यटन मंत्रालय के लिए अतुल्य भारत, तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के लिए स्वाइन फ्लू (एच 1 एन 1), जनसंख्या स्थिरीकरण, कुष्ठ रोग, एड्स नियंत्रण, डेंगू तथा चिकनगुनिया श्रव्य दृश्य के मुख्य अभियानों में शामिल है। वर्ष के दौरान पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, ऊर्जा मंत्रालय तथा नवीन व नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के लिए निम्न कार्बन उत्सर्जन को महत्व देने के लिए एक विशेष अभियान 'गो ग्रीन, इट वर्कस' चलाया गया। ऊर्जा संरक्षण तथा बी ई ई स्टार लेबल के प्रोमोशन का अभियान इस वर्ष भी जारी रहा। सूचना का अधिकार अधिनियम एगमार्ग का प्रोमोशन, आपदा प्रबंधन, यातायात सुरक्षा तथा आयकर अन्य अभियानों में प्रमुख अभियान थे।

श्रव्य दृश्य निर्माण :

वि.दृ.प्र.नि. द्वारा विभिन्न विकासात्मक मुद्‌दों पर कई साप्ताहिक प्रायोजित रेडियो कार्यक्रमों (एस आर पी) का निर्माण किया गया तथा उनका आकाशवाणी के विभिन्न केन्द्रों से प्रसारण किया गया। इनमें महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के लिए भोजन एवं पोषण पर पंद्रह मिनट का एक 'पोषण और स्वास्थ्य कार्यक्रम, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के लिए 20 मिनट का 'कोशिश सुनहरे पल की' तथा 15 मिनट का 'फेनटैस्टिक फोर' तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के लिए 15 मिनट का 'एक कदम खुशहाल जिंदगी की ओर' शामिल हैं, इन कार्यक्रमों को क्षेत्रीय भाषाओं में भी निर्मित किया गया।
इन एस आर पी के अतिरिक्त सांख्यिकी तथा कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, कृषि, पंचायतीराज तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के लिए कई श्रव्य दृश्य स्पॉट्स तथा फिल्मों का भी निर्माण किया गया।

रेडियो/टी.वी. चैनलों तथा डिजिटल सिनेमा का इम्पैनलमेंट:

वर्ष 2010 के दौरान वि.दृ.प्र.नि. के पैनल में रेडियो तथा टी.वी. चैनलों की संख्या में पर्याप्त वृद्धि दर्ज की गई। 31. 12.2010 तक वि.दृ.प्र.नि. के पैनल में 205 सी तथा एस चैनल (दूरदर्शन के अतिरिक्त) तथा 214 निजी एफ एम रेडियो स्टेशन (आकाशवाणी नेटवर्क के अलावा) थे, 2010–11 के दौरान 2700 डिजीटल थिएटरों की दो एजेंसियों को भी वि.दृ.प्र.नि. के पैनल में शामिल किया गया। कम्यूनिटी रेडियो स्टेशन को पैनल में लाने की प्रक्रिया उन्नत अवस्था में है।

श्रव्य दृश्य स्कंध में स्वचलन:

वर्ष के दौरान, श्रव्य दृश्य बिलिंग सहित श्रव्य दृश्य स्कंध की कार्यप्रणाली को स्वचालित बनाने के लिए कई बड़े कदम उठाए गए। विस्तृत **''श्रव्य दृश्य चैनलों के बिलों का ऑन लाइन प्रस्तुतीकरण'' (''आन लाइन बिल सबमिशन फॉर ए.वी. चैनलस्'')** प्रारंभ किया गया तथा बिलों की समस्त कार्यप्रणाली स्वचलित की गई है। सभी चैनलों का भुगतान केवल एन.ई. एफ.टी. द्वारा किया जाता है। टी.वी. तथा रेडियों चैनलों के पिछले बकाया का भुगतान करने के लिए नवंबर, 2010 में एक विशेष अभियान चलाया गया।

विदृप्रनि द्वारा विभिन्न विकासात्मक मुद्‌दों पर कई साप्ताहिक प्रायोजित रेडियो कार्यक्रमों (एस.आर.पी.) का निर्माण किया गया है तथा आकाशवाणी के विभिन्न स्टेशनों से इनका प्रसारण किया गया है। इनमें महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के लिए खाद्य एवं पोषण पर 15 मिनट का एक कार्यक्रम ''पोषण और स्वास्थ्य'', पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के लिए 20 मिनट का एक कार्यक्रम ''कोशिश सुनहरे पल की'' तथा 15 मिनट का एक कार्यक्रम ''फैनटास्टिक फोर'', स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के लिए 15 मिनट का एक कार्यक्रम ''एक कदम खुशहाल ज़िन्दगी की ओर'' शामिल हैं। इन कार्यक्रमों का क्षेत्रीय भाषाओं में भी निर्माण किया गया है।

इन प्रायोजित रेडियो कार्यक्रमों (एस.आर.पी.) के अलावा सांख्यिकी तथा कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, कृषि मंत्रालय, पंचायती राज मंत्रालय तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के लिए कई श्रव्य–दृश्य स्पॉट्स तथा फिल्मों का निर्माण किया गया है।

रेडियो/टी.वी. चैनलों तथा डिजीटल सिनेमा का पैनल बनानाः

वर्ष 2010 के दौरान विदृप्रनि के पैनल में शामिल होने वाले रेडियो तथा टी.वी. चैनलों की संख्या में भारी वृद्धि दर्ज की गई। 31.12.2010 तक 205 सी. एंड एस. चैनल (दूरदर्शन के अलावा) तथा 214 निजी एफ.एम. रेडियो स्टेशन (आकाशवाणी नेटवर्क के अलावा) विदृप्रनि के पैनल में शामिल किए गये। साथ ही 2010–11 के दौरान 2700 से अधिक डिजीटल थियेटरों के साथ दो ऐजेंसियों को भी विदृप्रनि के पैनल में शामिल किया गया। सामुदायिक रेडियो स्टेशनों को पैनल में शामिल करने की प्रक्रिया विकसित अवस्था में है।

बाह्य प्रचार

बाह्य प्रचार मीडिया निश्चित ही एक ध्यानाकर्षण का माध्यम है, क्योंकि इसकी पहुंच किसी समाचार पत्र अथवा चैनल तक सीमित न होकर सार्वभौमिक है। बाह्य प्रचार अभियान के बारे में जागरूकता पैदा करने के साथ–साथ अन्य माध्यमों के लिए अनुस्मारक के रूप में कार्य करता है। अन्य प्रचार माध्यमों की तुलना में बाह्य प्रचार 24X7 कार्य करता है। बाह्य प्रचार ग्रामीण क्षेत्रों में भित्ती चित्रों में लुभावने चित्रों तथा बड़े–बड़े अक्षरों में दीवारों पर चित्रकारी (वॉल पेंटिंग) के माध्यम से ग्रामीण जनता को आकर्षित करता है। विशेष तौर से ग्रामीण क्षेत्रों में, बाह्य प्रचार जनता को प्रेरित करने का एकमात्र सार्थक मीडिया है।

अभियान के महत्व को अधिक से अधिक बढ़ाने के लिए विदृप्रनि बाह्य प्रचार के विभिन्न माध्यमों का निर्माण तथा प्रदर्शन करने का हर सार्थक प्रयास करता है।

उपरोक्त अवधि के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में सरलीकरण तथा कई महत्वपूर्ण घटनाओं से संबंधित जन–जागरूकता और सूचना पर ग्रामीणोन्मुखी योजनाओं के लिए विभिन्न अभियानों के माध्यम से विभिन्न ग्राहक मंत्रालयों/विभागों तथा भारत सरकार के स्वायत्त निकायों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर निम्नलिखित का प्रकाशन किया गया।

(क) वर्ष 2010–11 के दौरान लगाए गए प्रदर्शों की संख्या
(1.4.10 से 31.12.10 तक) कुल प्रदर्शनियांः कुल कार्यः 293

क्रम सं	फारमेट/माध्यम	प्रदर्शों की संख्या
1	एयरपोर्ट साइनेज़	25
2	एनिमेशन	25
3	बैनर	23
4	बस पैनल	3126
5	बस क्यू शेल्टर	327
6	बिजली बिल	6310000
7	होर्डिंग	263
8	सिटी/मेट्रो क्योस्क	2742
9	बड़े डिस्पले/पुल/फ्लाईओवर/सबवे पैनल	17
10	एल.सी.डी. स्क्रीन डिस्पले	1976
11	एल.पी.जी. बिल	2056667
12	मेट्रो डिस्पले बोर्ड	433
13	मेट्रो के भीतर पैनल	2124
14	मेट्रो रेलिंग	600
15	प्रोग्राम बोर्ड	1
16	जनोपयोगी	10
17	रेलवे आरक्षण टिकट	13300000
18	रेलवे आरक्षण चार्ट	250000
19	रेलवे स्टेशन डिस्पले बोर्ड	10
20	ट्रेन पैनल (शताब्दी/जन शताब्दी)	620
21	तिरुपति प्रवेश कार्ड	116000
22	भूमिगत पारपथ	4
23	यूनीपोल	90

कुलः 2,20,45,083

इस अवधि के दौरान बाह्य प्रचार अनुभाग द्वारा विभिन्न महत्वपूर्ण अभियान जैसे कैंसर जागरूकता, ऊर्जा दक्षता, आपदा प्रबंधन, अतुल्य भारत, बी.आई.एस., भारतीय नौसेना, महिला एवं बाल विकास, उपभोक्ता मामले, तथा नेत्र देखभाल इत्यादि जारी किए गए। इसके अलावा, महत्वपूर्ण घटनाओं तथा फिल्म समारोह पर बाह्य प्रचार के माध्यम से प्रकाश डाला गया।

इस वर्ष के दौरान सबसे महत्वपूर्ण योगदान रहा दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेल–2010 के दौरान ''अतुल्य भारत'' के नारे के साथ भारतीय पर्यटन को बढ़ावा देना।

मास मेलिंग

विदृप्रनि का मास मेलिंग स्कंध मुख्यतः मुद्रित प्रचार स्कंध द्वारा निर्मित मुद्रित सामग्री को देश के विभिन्न भागों में लोगों के विभिन्न वर्गों को प्रेषित करता है। यह स्कंध देश में अपने प्रकार के बड़े ढांचों में से एक है तथा इसकी पहुंच ग्राम पंचायत स्तर तक है। इस स्कंध ने वर्तमान में 482 से अधिक वर्गों में फैले 5,00,335 (पांच लाख तीन सौ पैंतीस) पतों की पता सूची बनाई हुई है। विभिन्न विषयवस्तुओं पर प्रचार सामग्री की 68,11,560 प्रतियां वितरित की जा चुकी हैं। इसमें संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार द्वारा जनता के लिए कार्यक्रम, अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री का 15 सूत्री कार्यक्रम, महिला सशक्तीकरण तथा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना शामिल हैं।

दिसम्बर, 2010 तक प्रेषित कार्यों का ब्यौरा निम्नानुसार हैः–

क्र. सं.	कार्य	कार्यों की संख्या	प्रतियों की संख्या
1	पोस्टर	9	140500
2	फोल्डर	17	1993010
3	बुकलेट	41	2387610
4	कैलेंडर	27	1894980
5	डायरी	11	159960
6	अन्य कार्य	8	236000

प्रधानमंत्री के 29 भाषणों की लगभग 9 लाख प्रतियां वितरित की गईं। मुद्रित सामग्री की लगभग 70,00,000 प्रतियां वितरित की गईं जिसमें प्रधानमंत्री के भाषण, कैलेंडर, डायरियां शामिल हैं।

बुकलेट्स का वितरण

- प्रधानमंत्री के भाषणों में से अब तक 29 भाषण छापे गए हैं जो कि रिकार्ड संख्या है।
- विदृप्रनि ने संघ सरकार की विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियों पर बुकलेट भी डिजाइन तथा मुद्रित की है। बुकलेट का शीर्षक है 'लोगों को रिपोर्ट'

<u>सतर्कता</u>

विदृप्रनि के मुख्यालय तथा उसके क्षेत्रीय कार्यालयों में सतर्कता के ढांचे का विवरण

विदृप्रनि ने जून 2004 में नई दिल्ली स्थित अपने मुख्यालय में एक पूर्ण विकसित सतर्कता अनुभाग का गठन किया। सतर्कता अनुभाग पूर्ण रूप से महानिदेशक के पर्यवेक्षण में कार्य करता है। इस कार्य में अपर महानिदेशक, निदेशक(सतर्कता) तथा अन्य अधीनस्थ स्टाफ उनकी सहायता करता है।

1. **इस अवधि के दौरान सतर्कता निवारक गतिविधियां**
   - इस अवधि के दौरान किए गए नियमित निरीक्षणों की संख्या 1
   - आकस्मिक निरीक्षणों की संख्या 1

2. **इस अवधि के दौरान निगरानी तथा खोजों से संबंधित गतिविधियां**
   - निगरानी के लिए चुने गए क्षेत्रों को ब्यौरा कोई नहीं
   - निगरानी में रखे जाने के लिए चुने गए व्यक्तियों की संख्या कोई नहीं

दंडात्मक गतिविधयां (जहां नियुक्ति प्राधिकारी राष्ट्रपति के अतिरिक्त कोई और हो वहां 4(i) से 4(X) के सामने संख्या दर्शाई जाए)

- अवधि के दौरान प्राप्त शिकायतों/संदर्भों की संख्या 15
- कितने मामलों की प्रारंभिक जांच पड़ताल की गई 7
- कितने मामलों की प्रारंभिक जांच पड़ताल की रिपोर्ट प्राप्त हुई 6
- कितने मामलों में बड़े दंड के लिए आरोप पत्र जारी किए गए कोई नहीं
- कितने मामलों में साधारण दंड के लिए आरोप पत्र जारी किए गए कोई नहीं
- कितने व्यक्तियों पर बड़ा दंड लगाया गया कोई नहीं
- कितने व्यक्तियों पर साधारण दंड लगाया गया 1
- कितने व्यक्तियों को निलंबन के तहत रखा गया कोई नहीं
- कितने व्यक्तियों के खिलाफ चेतावनी आदि प्रशासनिक कार्रवाई की गई कोई नहीं
- कितने व्यक्तियों को नियमों के संगत प्रावधानों के तहत समयपूर्व सेवानिवृत्ति दी गई कोई नहीं
- कितने मामलों में कैट (CAT) के निर्णय/आदेश प्राप्त हुए 1

लेखा स्कंध

विदृप्रनि का लेखा स्कंध प्रत्येक वर्ष मीडिया संगठनों, जिनमें समाचार पत्र, टी.वी. चैनल, रेडियो चैनल, बाह्य प्रचार एजेंसियां शामिल हैं, सहित संगठन के पैनल में शामिल निर्माताओं तथा प्रिंटिंग हाउसों को लगभग 650 से 700 करोड रूपए के भुगतान का निपटारा करता है। अपर महानिदेशक (लेखा) की अध्यक्षता में इस स्कंध में निदेशक (लेखा), वित्तीय सलाहकार तथा मुख्य लेखा अधिकारी, छह लेखा अधिकारी, तीन सहा. लेखा अधिकारी तथा पांच लेखाकार/क. लेखाकार शामिल हैं। विज्ञापन के प्रसारण अथवा प्रकाशन की जांच तथा विदृप्रनि द्वारा उन्हें दिए गए अवमोचन आदेश में दी गई शर्तों के आधार पर भुगतानों का निपटारा किया जाता है।

मुख्य उपलब्धियांः लेखा स्कंध की मुख्य उपलब्धियां निम्नलिखित हैं

1) अब सभी निजी पार्टियों को लगभग 100 प्रतिशत भुगतान यांत्रिक निधि स्थानांतरण (इलैक्ट्रानिक फंड्स ट्रांसफर) द्वारा तत्काल किया जाने लगा है जिससे डाक द्वारा चैकों के पारगमन में देरी तथा खोने की आशंका खत्म हो गई है।
2) बिलों के प्रक्रमण की अब वेबसाइट पर निगरानी की जा सकती है जिसमें बिलों की स्थिति के बारे में देखा जा सकता है खासतौर से यह देखा जा सकता है कि उन्हें किसी कारण से अस्वीकृत किया गया या पास किया गया।
3) बिलों की प्रस्तुति के लिए समय–सीमा की स्पष्ट अनुसूची का कार्यान्वयन (श्रव्य–दृश्य बिलों के लिए एक माह, समाचार पत्रों के बिलों के लिए दो माह), जिसके पश्चात् दावा की गई राशि में से प्रस्तुति में देरी के आधार पर कटौती की जा सकती है।
4) सूचना भवन के भूतल पर बिल प्राप्त करने के लिए एक सुविधा कक्ष (फैसिलिटेशन सेल) बनाया गया है जहां बिल प्राप्त किए जाते हैं तथा दिनांकित पावती दी जाती है।
5) संवीक्षा के दौरान प्रत्येक अस्वीकृत बिल के लिए निदेश (लेखा) की ओर से पत्र जिसमें अस्वीकृति के कारण का स्पष्टीकरण होता है।

चल रही बड़ी पहलः लेखा स्कंध में चल रही बड़ी पहल निम्नानुसार हैः

1) लेखा प्रक्रमण (प्रोसेसिंग) तथा संवीक्षा की आउटसोर्सिंग।
2) लेखा संबंधी शिकायतों के लिए एक हैल्प–लाइन तथा कॉल सेंटर का गठन।
3) सभी भुगतानों के लिए यांत्रिक निधि स्थानांतरण (इलैक्ट्रानिक फंड्स ट्रांसफर) में परिवर्तन, जिसमें प्रदर्शनियों तथा वेतन का भुगतान भी शामिल है।
4) सभी कर्मचाारियों को कम्प्यूटर उपलब्ध कराना तथा सभी भुगतानों का प्रक्रमण (प्रोसेसिंग) उपयुक्त सॉफ्टवेयर के माध्यम से करना चाहे वह समाचार पत्रों के लिए हो या श्रव्य–दृश्य के लिए हो।

सूचना–प्रौद्योगिकी स्कंध

सामान्यतः, विदृप्रनि ने एन.आई.सी. की साझेदारी से अपने कम्प्यूटरीकरण तथा स्वचालन के प्रयासों को जारी रखा है। मुख्य उपलब्धि थी ऑटामैटिक मीडिया–लिस्ट जनरेशन सॉफ्टवेयर का विकास जो कि परिचालन, लागत, समाचार–पत्र का आकार इत्यादि जैसे कुछ मानदंडों के आधार पर ग्राहकों के लिए स्वतः ही मीडिया–लिस्ट तैयार करता है। विदृप्रनि की जरूरतों के आधार पर एन.आई.सी. ने समाचार पत्रों के बिलों के कम्प्यूटरीकृत प्रक्रमण (प्रोसेसिंग) तथा भुगतान के साथ–साथ श्रव्य–दृश्य बिलों के जमा करने, प्रक्रमण तथा भुगतान के लिए भी सॉफ्टवेयर तैयार किया है। विदृप्रनि की वेबसाइट को और अधिक आकर्षित बनाने के लिए उसका जीर्णोद्धार कार्य तथा मुद्रण और बाह्य प्रचार के बिलों के प्रक्रमण के लिए सॉफ्टवेयर तैयार करने की प्रक्रिया प्रगति पर है तथा वित्तीय वर्ष के अंत तक पूरा होने की संभावना है।

भाषा अनुवाद स्कंध

यद्यपि विदृप्रनि के पास अनुवाद कार्य के लिए स्थायी स्टाफ नहीं है, अनियत आधार पर कार्य पर लगाए गए अनुवादकों के एक पैनल की सहायता से यह विभिन्न ग्राहक मंत्रालयों/विभागों के लिए अनुवाद कार्य करता रहता है। विज्ञापनों, कैलेंडरों, बुकलेट्स, फोल्डर इत्यादि के लिए अनुवाद किए जाते हैं। विदृप्रनि के भाषा अनुवाद स्कंध में अब भाषा टंकक हैं जो अपनी–अपनी संबंधित भाषा में टाईप करते हैं।

आधुनिकीकरण तथा कम्प्यूटरीकरण

क्र. सं.	मद का नाम	पहली छमाही में आबंटित व्यय	अगली छमाही के लिए आबंटित किया जाने वाला व्यय	उद्देश्य
1	कम्प्यूटरीकरण तथा डिजीटलाइजेशन	रू.14,94,000/–	एन.आई.सी., स्टूडियो तथा अन्य रू. 35,00,000/–	आधुनिकीकरण योजना को मोटे तौर पर तीन भागों में विभाजित किया गया है नामतः कम्प्यूटरीकरण तथा डिजीटलाइजेशन, कार्यालय अवसंरचना एवं मानव संसाधन विकास। इस वित्तीय वर्ष में इस निदेशालय ने बेंगलुरु तथा गुवाहटी स्थित प्रत्येक क्षेत्रीय कार्यालय को उनके समग्र संरचनात्मक तथा सूचना प्रौद्योगिकी उन्मुख विकास के लिए रूपए 5.0 लाख संवितरित किए हैं। गत वर्ष में मानव संसाधन के तहत प्रशिक्षण देने की पहल की गई। इस वित्तीय वर्ष के दौरान शुरू की गई कम्प्यूटरीकृत वस्तुसूची विदृप्रनि की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है, जिससे समग्र क्रय प्रक्रिया, प्रेषण प्रक्रिया (एम.एम.डब्ल्यू) को पारदर्शी बनाया जा सके।
2	कार्यालय अवसंरचना	रू. 22,30,000/–	रू. 16,40,000/–	
3	मानव संसाधन विकास	रू. 5,86,000/–	रू. 5,50,000/–	
	कुल=	रू. 43,10,000/–	रू. 56,90,000/–	